प्रेस विज्ञप्ति

30 मार्च, 2022

पीएफ़सी द्वारा लेह जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली, 30 मार्च 2022, पीएफसी, एक महारत्न कंपनी और विद्युत क्षेत्र में भारत की अग्रणी एनबीएफसी ने स्वास्थ्य देखभाल क्षमता बढ़ाने और स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए रोगी कल्याण समिति (आरकेएस), नुब्रा सब-डिवीजन, लेह के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस एमओए के अनुसार, पीएफ़सी रोगी कल्याण समिति, नुब्रा को 6.93 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जो स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने में मदद करेगी; बेहतर मानव संसाधन प्रणालियों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करेगा, और नुब्रा सब-डिवीजन, लेह में चिकित्सा उपकरणों और निदान के लिए कुशल पहुंच को सक्षम बनाएगा।

इस एमओए पर श्री आर.एस. ढिल्लों, सीएमडी, पीएफ़सी और डॉ. जावेद अहमद, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (नुब्रा) की उपस्थिती में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर श्री रिजवानुर रहमान, कार्यपालक निदेशक और पीएफसी और आरकेएस नुब्रा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

यह परियोजना नुब्रा सब-डिवीजन के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अत्यधिक फायदेमंद होगी, जो उप-जिला अस्पताल (SDH) के माध्यम से महत्वपूर्ण जीवन-समर्थन उपकरणों से पूर्ण 5 एम्बुलेंस प्राप्त करेंगे। इन एंबुलेंसों की लंबे समय से आवश्यकता थी और यह सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर उपयोग करने के लिए रोगियों को समय पर सहायता प्रदान करेगी। इसके अलावा, हाई-एंड मेडिकल और डायग्नोस्टिक उपकरण की खरीद की जाएगी जिसमें सीटी-स्कैन और सी-आर्म मशीन, ऑर्थो ओटी टेबल, डिजिटल ऑर्थोपैंटोमोग्राम, ऑटोमैटिक बायो-केमिस्ट्री एनालाइजर और ऑटोमैटिक हेमेटोलॉजी एनालाइजर शामिल हैं।

नुब्रा, लेह में यह सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजना न केवल आवश्यक डाइग्नोस्टिक उपकरणों/टूल्स एम्बुलेंसों के साथ स्वास्थ्य केंद्रों/अस्पतालों को मजबूत करेगी, बल्कि रोगियों के साथ आने वाले परिचारकों के रहने की सुविधा के लिए सहायक कमरों के निर्माण सहित संबद्ध सिविल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी मदद करेगी जो उप-शून्य तापमान में बाहर नहीं रह सकते।

इस पहल पर विचार करने का प्रमुख उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को बढ़ाना है क्योंकि ग्रामीण विकास सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, पीएफसी स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्रों में विभिन्न सतत और विकासात्मक पहलों को वित्तीय सहायता देकर समाज के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हस्ता/-

(एस.एस.राव)

मुख्य महाप्रबंधक (पीआर)